



## ANURADHA TIKKU

..... A Versatile Vocalist



# RADHA TIKKU ..... A Versatile Vocalist



### **Anuradha Tikku**

Anuradha Tikku is an artiste who has already carved a niche for herself in the world of Indian music. An extremely versatile singer, she has a repertoire which is rich, varied and exuberant, ranging from Classical Ragas to the Soulful Bhajans with Blend of Folk Music, Sufi & Ghazals. Born on the  $16^{th}$  of March, 1969 in far – flung valley village Mea Mandir of Shopiyan District of Jammu & Kashmir State, this illustrious singer was lucky enough to be initiated into music by his Uncle Late Shri Jagannath Raina, a devoted Devotional Musician herself, after which his formal training in vocal music started under his virtuoso Guru from Jaipur Gharana, the renowned Pandit Jugal Kishor Nigam.

After his untimed sad demise she then placed herself under the tutelage of Pandit Kundan Mal Sharma in Jaipur who instilled both vigor and luster in the voice of her talented disciple. She has also had the privilege of Learning under the Pandit Bholanath Mishra Some popular styles of singing of indian classical music i.e. Thumari, Dadra, Cheti, Hori, Tappa etc. for sometime. At present, she is honing her skills further under the noted Violoncellists and Rajasthani Folk Maestro, Pandit Jaikumar Panwar.

Presently living in Jaipur, Anuradha Tikku has a pleasing musical personality and sings in a voice, which is melodious, subtle, and deep. She successfully adapts her style to render fluent khayals, sprightly thumris, sensuous and soulful bajans. Her khayal expositions are impeccable with lively compositions and intricate & fluent tans. Her singing reveals a whole gamut of emotions and never fails to leave the audience mesmerized.

She has performed in many music conferences and festivals in many parts of India and it is a continue process. Many Regional TV channals i.e. ETV Rajasthan, Zee TV Punjabi, DD Kashir and also many audio No. by local Audio Series.









### ..... A Versatile Vocalist







they does again true order also said its par village

रें पाति प्रतिहार को अपने की रूपी में शब्द स्थापन, पाति पर्ने इन्हेरिन्हींन बडेरेजों में प्रमेश की चैत में बहर किया

साएगा कीई में इस परिवा में कर और सावर्त का बोई are the set out it you areas to sit and again no gliters street river of parrie, it not of econodrie it safter all us that halves and it willow safet many कर पाने में उद्दीरण के लिए जाने पान्हीं तर्रा कर तरह





# Media News

## ज्यप्रसम्मात ने खीं है के बिस्ति संघा तेरी जयपुर छै शुभ नाम गुलाबी नगरी तने प्रणाम

#### श्याम परिवार का वार्षिकोत्सव रबीन्द्र जैन के भक्ति संगीत से श्रोता मुग्ध

संगीत से श्रीता मुख्यं

सांस्कृतिक संबद्धाता।

जायपुर, ६ नामकार आम्बाबाई संक्रिक स्थात
आदर्श विद्या सीटर स्कृत प्रांगण में किन जायत के
नामी संगीतकार और गामक रागेटर दीन ने शतनार के
नामी संगीतकार और गामक रागेटर दीन ने शतनार कर्ण और रागा अपनी पाजन गामिकों के रागा अको
और संगीत शिक्त के प्रांग पर्या कर स्वतुष्ठ
वाविकालक के अकसर पर आगीजित भारत संगीत
के इस उत्तक्ष्य में स्वीद कैन में अपना गामत समायक
की चीपाइगों से प्रारम्भ परिवाद में स्वीत को स्थात
वीचायों से प्रारम्भ परिवाद में स्वीत वीचायों में प्रारम्भ परिवाद वीचायों में प्रारम्भ परिवाद वीचायों में प्रारम्भ परिवाद वीचायों में प्रारम्भ से व्यवस्था परिवाद वीचायों
कि वास में आदि संगात से बहुनाए उत्तक्ष्य
वास के साम में आदि संगात से प्रारम्भ परिवाद वीचाय
कारत से साम में आदि संगात को प्रारम्भ परिवाद वीचाय
कारत साम संगात को साम परिवाद कीचाय
कारत साम संगात को साम परिवाद कीचाय
कारत परिवाद संगात कारत संगात कारत सम्भाव
कारत परिवाद संगात कारत संगात परिवाद
कारत संगात संगात के परिवाद संगात संगात कारत सम्भाव
कारता कारत परिवाद संगात कारत सम्भाव
कारत परिवाद संगात संगात कारत सम्भाव
कारत परिवाद संगात संगात कारत सम्भाव
कारत संगात कारत सम्भाव
कारत संगीत संगीत कारत सम्भाव
कारत संगीत कारता साम सम्भाव
कारत संगीत कारता सम्भाव विकास
वीचाद वीचा कीचाया साम सम्भाव सम्भाव स्व ोन्द्र जैन का साफा पहला कर स्थागत किया। इस वसर पर अद्धानुमन पुरक्षक का विद्यावन भी किया

ञ्याम परिवार का वार्षिकोत्सव





में हम उत्पन्न में स्वान्द्र कीन में अपना गायन गायावण की वीपाइयों से प्रारच्या किया। तरपान्या ह नहीं ने स्वान्य को को से प्रारच्या के साम के प्रारच्या के प्र

## ALSO PERFORMED ON













## Contact us

G-4, Gulab Residency, D- 238, Bihari Marg, Banipark, Jaipur-302016 (Rajasthan) INDIA Phone: +91-0-141-4010144,45

